इकाई - 2.   Date :- 03.06.2020

Topic - सतत एवं व्यापक मूल्यांकन की अवधारणा (Next class)

X

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (NCERT) के अनुसार सतत एवं व्यापक मूल्यांकन में यह तथ्य सम्मिलित होने चाहिए -

→ निर्धारित शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति किस सीमा तक हो रही है।

→ कक्षा में प्रदान किए गए अधिगम अनुभव कितने प्रभावशाली रहे हैं।

→ व्यवहार परिवर्तन की प्रक्रिया कितने अच्छे ढंग से पूर्ण हो रही है।

इसकी आवश्यकता अथवा महत्व को हम निम्नलिखित संदर्भों में समझ सकते हैं -

(1) यह शिक्षक को प्रभावी शिक्षण रणनीतियों को व्यवस्थित करने में सहायता करता है। सतत मूल्यांकन, विशिष्ट शैक्षिक तथा सह शैक्षिक क्षेत्रों के संदर्भ में छात्रों की प्रगति के निरंतर आकलन में सहायता करता है।

(2) सतत मूल्यांकन कमजोरियों के निदान के लिए कार्य करता है तथा शिक्षक को विद्यार्थी विशेष की दृढ़ता तथा कमजोरियों का पता लगाने में सहायता करता है।

(3) यह शिक्षक को त्वरित प्रतिपुष्टि प्रदान करता है जो यह निर्णय कर सकता है कि किसी विशेष ईकाई या अवधारणा को पूरी कक्षा के लिए फिर से शिक्षण की आवश्यकता है या फिर कुछ को वैदानिक अनुदेशकों की आवश्यकता है।

(4) यह बच्चों को उनकी दृढ़ता तथा कमजोरियों को जानने में मदद करता है तथा उन्हें स्वयं से सीखने के लिए प्रेरित करता है।

(5) यह बच्चों को एक ~~वास्तवि~~ वास्तविक स्व-आकलन उपलब्ध कराता है कि वह किस प्रकार अध्ययन कर रहे हैं तथा उन्हें अपनी अधिगम क्षमताओं में वृद्धि के लिए भी सहायता करता है।

(6) यह बच्चों को उस क्षेत्र के निर्धारण में सहायता करता है जिस पर अधिक जोर दिए जाने की जरूरत है।

(7) यह छात्रों की शैक्षिक तथा सह शैक्षिक क्षेत्रों में प्रगति के विषय में सूचना या प्रतिवेदन उपलब्ध कराता है तथा इस प्रकार छात्रों के भविष्य में सफलता का पूर्वानुमान लगाने में भी सहायता करता है, इत्यादि।

END

Scanned with CamScan